

राजस्थान में भूकंप के झटके

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान के बाड़मेर में भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये

- भूकंप के कारण कुछ समय के लिये दहशत का माहौल बन गया और लोग इमारतें खाली करके खुले स्थानों पर एकत्र हो गए।

प्रमुख बंदि

- **स्थान:** बाड़मेर, राजस्थान
- **तीव्रता:** रिक्टर पैमाने पर 3.5
- **संरचनात्मक क्षति:** इसमें कोई बड़ी संरचनात्मक क्षति की सूचना नहीं मली है। इमारतों में कुछ मामूली दरारें देखी गईं।
- **आपातकालीन प्रतिक्रिया:** इसपर स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, यह सुनिश्चति करते हुए का आपातकालीन प्रोटोकॉल का पालन किया गया। उन्होंने नवासियों को सचेत रहने और भूकंप के बाद के झटकों के मामले में सुरक्षा दिशा-नरिदेशों का पालन करने की सलाह दी है।
- **भूकंपीय तरंगें:** भूकंपीय तरंगें भूकंप से उत्पन्न कंपन हैं जो पृथ्वी से होकर गुजरती हैं और **सीस्मोग्राफ नामक उपकरणों पर रिकॉर्ड की जाती हैं।**
 - सीस्मोग्राफ एक **टेढ़े-मेढ़े नशान को रिकॉर्ड करता है** जो उपकरण के नीचे जमीन के दोलनों के बदलते आयाम को दर्शाता है।
- **रिक्टर स्केल और मर्कली स्केल:** भूकंप की घटनाओं को झटके की तीव्रता या परमाण के अनुसार मापा जाता है।
 - परमाण पैमाने को रिक्टर पैमाने के रूप में जाना जाता है। परमाण भूकंप के दौरान जारी ऊर्जा से संबंधति है जसि नरिपेक्ष संख्या, **0-10 में व्यक्त किया जाता है।**
 - तीव्रता पैमाना या मर्कली पैमाना घटना से होने वाली दृश्यमान क्षतिको ध्यान में रखता है। तीव्रता पैमाने की सीमा **1-12 तक है।**

भूकंप



के बारे में

- पृथ्वी का कंपन; ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगे उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में फैलकर भूकंप लाती हैं

अवकेंद्र (Hypocenter)

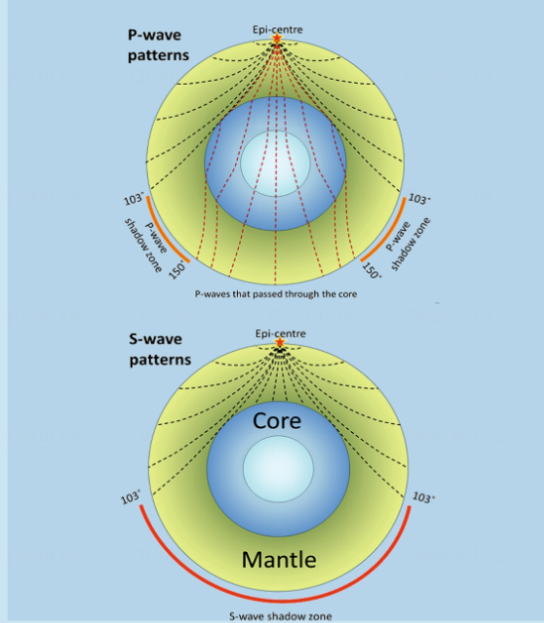
- वह स्थान जहाँ भूकंप का उद्गम होता है (पृथ्वी की सतह के नीचे)

अधिकेंद्र (Epicenter)

- अवकेंद्र के समीपस्थ स्थान (पृथ्वी की सतह पर)

भूकंपीय तरंगें

- भूगर्भिक तरंगें:** पृथ्वी के अंदरूनी भाग से होकर सभी दिशाओं में आगे बढ़ती हैं।
- P तरंगें:** तीव्र गति से चलती हैं, ध्वनि तरंगों जैसी होती हैं, गैस, तरल व ठोस तीनों प्रकार के पदार्थों से गुजर सकती हैं।
- S तरंगें:** धरातल पर कुछ समय अंतराल के बाद पहुँचती हैं, केवल ठोस पदार्थों के ही माध्यम से चलती हैं।
- धरातलीय तरंगें:** भूकंपलेखी (सिस्मोग्राफ) पर अंत में अभिलेखित होती हैं, अधिक विनाशकारी, शैलों/चट्टानों के विस्थापन का कारण बनती हैं
- लव तरंगें:** लंबवत् विस्थापन के बिना S-तरंगों के समान गति (क्षैतिज), क्षैतिज गति प्रसार की दिशा के लंबवत्, रेले तरंगों की तुलना में तीव्र गति
- रेले तरंगें:** भूमि पर दीर्घवृत्ताकार पथ में दोलन उत्पन्न करती हैं, सभी भूकंपीय तरंगों में अधिकतम प्रसार का कारण बनती हैं, एक ऊर्ध्वाधर ताल में लंबवत् व क्षैतिज रूप से गति करती हैं



भूकंप के कारण

- किसी भ्रंश/भ्रंश जोन के किनारे-किनारे ऊर्जा का निर्मुक्त होना (भूपर्पटी की शिलों में दरारें)
- टेक्टोनिक प्लेटों का संचलन (सबसे सामान्य कारण)
- ज्वालामुखी विस्फोट (शैल के तनाव में परिवर्तन - मैग्मा का अन्तःक्षेपण/निकासी)
- मानवीय गतिविधियाँ (खनन, रसायनों/परमाणु उपकरणों का विस्फोटन आदि)

भारत में भूकंप

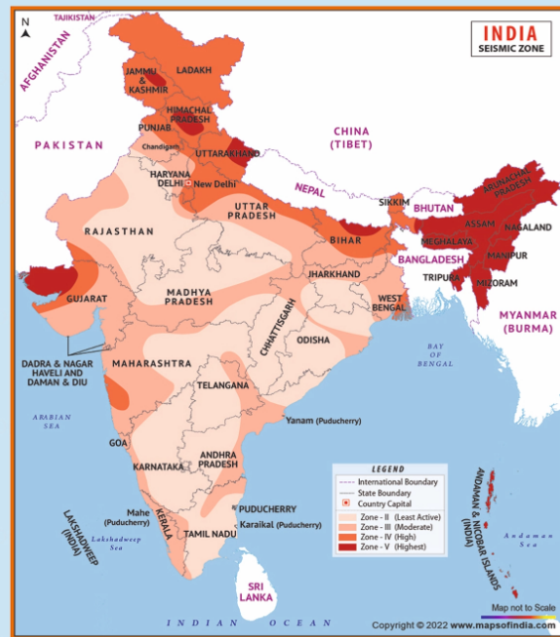
- तकनीकी रूप से सक्रिय पर्वतों- हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यंत प्रभावित देशों में से एक है।
- भारत को 4 भूकंपीय क्षेत्रों (II, III, IV, और V) में विभाजित किया गया है।

भूकंप का मापन

- भूकंपमापी (Seismometer)**- भूकंपीय तरंगों को मापता है
- रिक्टर पैमाना (Richter Scale)**- परिमाण को मापता है (निर्मुक्त ऊर्जा; सीमा: 0-10)
- मरकैली (Mercalli)**- तीव्रता को मापता है (दृश्यमान क्षति; सीमा: 1-12)

वितरण

- परि-प्रशांत मेखला (Circum-Pacific Belt)**- सभी भूकंपों का 81%
- अल्पाइड भूकंप मेखला (Alpide Earthquake Belt)**- सबसे बड़े भूकंपों का 17%
- मध्य अटलांटिक कटक (Mid-Atlantic Ridge)**- अधिकांशतः जल के नीचे डूबा हुआ



भारत में भूकंपीय क्षेत्र

- अतीत में आए भूकंप तथा विवर्तनिक झटकों के आधार पर भारत को चार भूकंपीय क्षेत्रों (II, III, IV और V) में वभाजति कया गया है ।
- पहले भूकंप क्षेत्रों को भूकंप की गंभीरता के संबंध में पाँच क्षेत्रों में वभाजति कया गया था, लेकिन **भारतीय मानक ब्यूरो** (Bureau of Indian Standards- BIS) ने पहले दो क्षेत्रों को एक साथ मलाकर देश को चार भूकंपीय क्षेत्रों में वभाजति कया है ।
 - BIS भूकंपीय खतरे के नक्शे और कोड को प्रकाशति करने हेतु एक आधिकारिक एजेंसी है ।
 - **भूकंपीय ज़ोन II:**
 - मामूली क्षतवाला भूकंपीय ज़ोन, जहाँ तीव्रता MM (संशोधति मरकली तीव्रता पैमाना) के पैमाने पर V से VI तक होती है ।
 - **भूकंपीय ज़ोन III:**
 - MM पैमाने की तीव्रता VII के अनुरूप मध्यम क्षतवाला ज़ोन ।
 - **भूकंपीय ज़ोन IV:**
 - MM पैमाने की तीव्रता VII के अनुरूप अधिक क्षतवाला ज़ोन ।
 - **भूकंपीय ज़ोन V:**
 - यह क्षेत्र फॉल्ट प्रणालियों की उपस्थतिके कारण भूकंपीय रूप से सर्वाधिक सक्रयि होता है ।
 - भूकंपीय ज़ोन V भूकंप के लयि सबसे अधिक संवेदनशील क्षेत्र है, जहाँ ऐतहासिक रूप से देश में भूकंप के कुछ सबसे तीव्र झटके देखे गए हैं ।
 - इन क्षेत्रों में 7.0 से अधिक तीव्रता वाले भूकंप देखे गए हैं और यह IX की तुलना में अधिक तीव्र होते हैं ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/earthquake-tremors-in-rajasthan>

